कपड़ा मिलों का बंद किया जाना

7892. श्री अमन्तराय देवशंकर दवे :
श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार कुछ राज्यों में कुछ कपड़ा मिलों को बंद करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ;

(ग) इन मिलों के बंद होने से प्रभावित होने वाले कर्मचारियों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए क्या प्रयास किये गये हैं ; और

(घ) उक्त प्रस्ताव के कारण प्रभावित हुये गुजरात के कर्मचारियों का ब्यौरा क्या हैं और क्या सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकार से कोई बातचीत की हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते ।

New Textile Export Strategy

7893. SHRI GOPALSING G. SOLANKI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a readymade garment and textile export strategy is under Government's consideration;

(b) if so, the main features of new export strategy;

(c) by when it is likely to be finalised and announced; and

(d) what are the items likely to be included in the strategy alongwith handlooms and man-made fibres?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) to (d) No new export strategy for readymade garment and textile ex. ports is under the consideration of the Government at present. However, based on the information received from our Missions abroad, analyses carried out by our Export Promotion Councils and suggestions received from the trade and indus try. Government have been taking various steps from time to time to boost our export effort.

हस्तशिल्प और हथकरघा वस्तुओं के उत्पादन और विपणन के बीच समन्वय

7894. श्री आस मोहम्मद :
श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हस्तशिल्प और हथकरघा वस्तुओं के उत्पादन और विपणन के बीच समुचित समन्वय की कमी हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) सरकार द्वारा इस दिशा में समुचित समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) तथा (ख) पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश में हस्तशिल्प तथा हथकरघा उत्पादों की बिक्री तथा उनके निर्यात में कई गुना वृद्धि हुई हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जा सकता हैं कि इन उत्पादों के उत्पादन तथा विपणन में पर्याप्त तालमेल है ।

(ग) हस्तशिल्प तथा हथकरघा मदों के उत्पादन तथा विपणन में उचित सामंजस्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अनेक कार्यक्रम तथा योजनाएं कार्यान्वित की हैं, जिनमें क्षेत्रीय डिजाइन एवं तकनीकी विकास केन्द्रों, बुनकर सेवा केन्द्रों आदि के माध्यम से डिजाइन संवर्धन तथा उत्पाद विकास करना, शिल्पा हथकरघा विकास केन्द्र तथा बिक्री आऊटलेट्स स्थापित